>

Title: Demand for Bharat Ratna to Mahatma Jyotiba Phule and Savitribai Phule.

श्रीमतीनवनितरविराणा(अमरावती):धन्यवादअध्यक्षमहोदय ।आजमैंएकबहुतमहत्वपूर्णविषयपरबातकरनाचाहूंगी । महाराष्ट्रकेमहात्माज्योतिबाफुलेऔरआईसावित्रीबाईफुलेकोभारतरत्नदेनेकीमांगबहुतसालोंसेइससदनमेंऔरमहाराष्ट्रमेंलोगोंने । 1 जनवरी 1848 कोभारतकापहलीमहिलाओंकास्कूलपुणे, बुधवाड़ामेंभिडेवाडास्कूलशुरूकियागयाथा । अगरआजहमवहांकीस्थितिकोदेखतेहैं, जोमहिलाओंकेलिएसबसेपहलास्कूल, जहांपरमहिलाओंकीशिक्षाकीशुरुआतहुईथी, तोखंडहरमेंस्कूलहैयास्कूलमेंखंडहरहैयहसमझमेंनहींआरहाहै । उसस्कूलकीस्थितिइतनीखराबहैकिमैंआपसेमांगकरतीहूंकिउसस्कूलकीस्थितिकोसुधारकरउसेएकराष्ट्रीयस्मारकघोषितकिय क्योंकिसावित्रीबाईफुलेहमारेलिएप्रेरणादायीहैंऔरमहिलाओंकीशिक्षाकीशुरुआतउन्होंने 1848 मेंकीथी । हमेंउनकेलिएकुछनकुछकरनाचाहिए ।अध्यक्षजी, प्लीजदोमिनट ।वर्ष 1842 मेंब्रिटिशसरकारसेउन्होंनेहीसबसेपहलीमांगकीथीकिभारतवर्षमेंसभीस्कूलोंमेंमुफ्तशिक्षादेनीचाहिए । महाराष्ट्रकीवहपहलीमहिलाआईसावित्रीबाईफुलेथीं, जिन्होंने 1873 मेंशादीमेंदहेजलेनेऔरदेनेकाविरोधकियाथा । मैंआपकेमाध्यमसेविनतीकरतीहूंकिउनकोभारतरत्नदेनाचाहिए ।धन्यवाद ।

माननीयअध्यक्ष : श्रीदेवजीएम.पटेलकोश्रीमतीनवनीतरविराणाद्वाराउठाएगएविषयकेसाथसंबद्धकरनेकीअनुमतिप्रदानकीजातीहै ।